

मुझे माँ अपने चरणों में

मुझे माँ अपने चरणों में बसा लोगी तो क्या होगा,
शरण में मुझे को भी अपनी बुला लोगी तो क्या होगा....
मुझे माँ अपने चरणों में.....

ना मैं ज्ञानी ना योगी हूँ तपस्वी हूँ ना दानी हूँ,
तेरे सुमरिन की आशा है, करा दोगी तो क्या होगा....
मुझे माँ अपने चरणों में....

यहाँ कोई नहीं मेरा सभी मतलब के साथी है,
दया कर मुझको सुत अपना बना लोगी तो क्या होगा....
मुझे माँ अपने चरणों में...

यहाँ सब मुझ से कहते हैं तू मेरा है तू मेरा है,
मैं जिसका हूँ ये झगडा तुम मिटा दोगी तो क्या होगा....
मुझे माँ अपने चरणों में...

सुबह से शाम तक जग के झमेलो में भटकता हूँ,
बड़ा बेचैन रहता हूँ मुझे माँ सभालोगी तो क्या होगा.....
मुझे माँ अपने चरणों में....

सुना है आज तक तुने अनेको पापी तारे,
उन्ही में बिन्दु सा पापी मिला लोगी तो क्या होगा.....
मुझे माँ अपने चरणों में बसा लोगी तो क्या होगा
शरण में मुझे को भी अपनी बुला लोगी तो क्या होगा....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/d/23101/title/mujhe-maa-apne-charno-me>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |